प्रवृत्तियों और मूल्यों के निर्माण में कला का प्रत्यक्ष योगदान : प्रो. सुदेश

कार्यशाला में उपस्थित अतिथि और छात्राएं। (अरोड़ा)

गोहाना, 23 मई (अरोड़ा) : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान में आर्ट एंड क्राफ्ट विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यशाला का आयोजन संस्थान की डीन एवं अध्यक्ष डा. सुमन दलाल ने किया।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि व्यक्तित्व और सौंदर्य बोध के विकास, प्रवृत्तियों और मूल्यों के निर्माण में कला का प्रत्यक्ष योगदान है।

इसका उपयोग विश्वविद्यालय की शैक्षिक प्रक्रियाओं को रोचक बनाने में कारगर सिद्ध होता है। कला शिक्षण का उद्देश्य कलाकार का निर्माण नहीं बल्कि कला बोध और कलात्मक व्यवहार को विकसित करना है।

मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली से आए आर्टिस्ट बालकिशन ने विभिन्न प्रकार के कागज कटिंग क्राफ्ट के डिजाइन सिखाए। कटिंग के साथ-साथ उन्होंने कश्मीरी वैल्वेट एंब्रायडरी डिजाइन भी छात्राओं को सिखाए। उन्होंने कहा कि कला एक ऐसा माध्यम है जो कभी भी आपको तनाव में नहीं रहने देगा। कला उम्र भर सीखी व सिखाई जा सकती है।

इस अवसर पर डा. अनु बल्हारा, डा. प्रिया धींगड़ा, डा. मोनिका, डा. इंदु, डा. गोल्डी गुप्ता आदि मौजूद रहीं।

गोहाना : वर्चुअल कार्यक्रम में अपना सम्बोधन देते हुए महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश।

वर्चुअल व्यास पूजा कार्यक्रम का आयोजन

गोहाना, 13 जुलाई (रामनिवास धीमान) : शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान एवं भारतीय शिक्षण मंडल के संयुक्त तत्वाधान में गुरु पर्व के उपलक्ष्य में व्यास पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंस्टिट्यूट ऑफ़ टीचर ट्रेनिंग एंड रिसर्च की चेयरपर्सन डॉ. सुमन दलाल ने की। वर्चुअल रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय विवि की कुल गुरु प्रो. सुदेश ने शिरकत की। कार्यक्रम का उद्घाटन भारतीय शिक्षण मंडल के ध्येय श्लोक एवं ध्येय वाक्य के साथ किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने बताया कि महाभारत की रचना भगवान वेदव्यास जी ने इसी पूर्णिमा के दिन पूर्ण की थी और विश्व के सुप्रसिद्ध ग्रंथ ब्रह्मसूत्र का लेखन भी इसी दिन आरंभ हुआ था । उन्होंने कहा कि गुरु की महिमा का बयान शब्दों में नहीं किया जा सकता, क्योंकि गुरु मानव निर्माता है। गुरु ही है जो हमे जीवन का सार समझाते हैं।

प्रो. सुदेश ने कहा कि माता पिता हमे जीवन प्रदान करते है और गुरुजन हमारे जीवन की संवारते हैं। कार्यक्रम का समापन गुरु के सम्मान में गीत के साथ किया गया । इस अवसर पर भगत फूल सिंह शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान की छात्राएं एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

कार्यक्रम

बीपीएस महिला विवि में शिक्षाविदों और विचारकों की ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित

हर चुनौती को संभालने में सक्षम हैं शिक्षक : प्रो. सुदेश

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। बीपीएस महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश छिक्कारा ने कहा कि कोरोनाकाल ने हमें चुनौतियां दी हैं। इसके बावजूद दुनियाभर के शिक्षक हर चुनौती को संभालने में सक्षम हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि शिक्षकों को पढ़ाने के लिए विभिन्न रचनात्मक और नवीन विचारों को आत्मसात करना चाहिए। वह महिला विवि के शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान व ग्लोबल एजुकेशनल रिसर्च एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षाविदों और विचारकों की ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ के बाद प्रतिभागियों को संबोधित कर रही थीं।

दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन

हवन में आहुति डालतीं कुलपति प्रो. सुदेश व कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक। संवाद

विचार-दिवालियापन विषय पर किया जा रहा है। बतौर मुख्यातिथि अलवर की सनराइज यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. दिलबाग सिंह बिसला ने कहा कि शिक्षकों को छात्रों और उनके काम के प्रति अत्यधिक प्रतिबद्ध होना चाहिए। उनके अलावा ग्लोबल एजुकेशनल रिसर्च एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. एसपी मल्होत्रा ने व्यापार उद्योग और शैक्षणिक क्षेत्र के बीच गठजोड़ के बारे में चर्चा की। वहीं शिक्षा विभाग उतरा वि ढाका से डॉ. महमूदा बेगम ने किसी भी राष्ट्र के विकास में शिक्षा की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में प्रभावी जुड़ाव के तरीकों के बारे में भी बताया। इस दौरान डॉ. रिचर्ड के साथ कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक, डॉ. सुमन दलाल, डॉ. प्रिया ढींगरा, डॉ. रीना, डॉ. अन्नू व डॉ. सरला भी मौजूद रहीं।

कन्या गुरुकुल स्कूल में कराया हवन : बीपीएस महिला विवि के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं के मन की एकाग्रता व परीक्षाओं में सफलता के लिए हवन कराया गया। हवन में कुलपति प्रो. सुदेश व कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक ने आहुति डाली। कन्या गुरुकुल की प्राचार्य सुमिता सिंह ने बताया कि दसवीं व बारहवीं कक्षा की परीक्षाएं 30 मार्च से प्रारंभ हो रही हैं। परीक्षा से पहले मन की शांति के लिए हवन का आयोजन गुरुकुल की परंपरा रही है।

अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में 800 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

बीपीएस महिला विवि के शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान व ग्लोबल एजुकेशनल रिसर्च एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में डायलॉग मैथड ऑफ पेपर प्रेजेंटेशन विषय पर ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, जिसमें 800 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में ग्लोबल एजुकेशनल रिसर्च एसोसिएशन की उपाध्यक्ष डॉ. सुभाषिनी पासी ने डायलॉग मैथड के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

विवि में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुभारंभ

शिक्षक रचनात्मक विचारों के साथ शिक्षा दें: वीसी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गोहाना

गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि शिक्षक रचनात्मक और नवीन विचारों के साथ विद्यार्थियों को शिक्षा दें। वे मंगलवार को विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रशिक्षक एवं अनुसंधान संस्थान व ग्लोबल एजुकेशनल रिसर्च ऐसोसिएशन (जीईआरए) के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षाविदों और विचारकों के विचार-दिवालियापन विषय पर आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय भाषण कर रही थी।

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि कहा कि कोरोना काल ने हमें चुनौतियां दी हैं लेकिन दुनिया भर के शिक्षक हर चुनौती को

गोहाना। संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते कुलपति प्रो. सुदेश। *फोटो : हरिभूमि*

संभालने में सक्षम हैं। संगोष्ठी के मुख्यातिथि सनराइज यूनिवर्सिटी, अलवर, राजस्थान के कुलपति ने डॉ. दिलबाग सिंह बिसला ने कहा कि शिक्षकों को छात्रों और उनके काम के प्रति अत्यधिक प्रतिबद्ध होना चाहिए। बीज वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. एसपी मल्होत्रा, अध्यक्ष (जीईआरए) ने व्यापार उद्योग और शैक्षिक क्षेत्र के बीच गठजोड़ के बारे में चर्चा की। सम्मानित अतिथि डॉ. महमूदा बेगम, शिक्षा विभाग उतरा विश्वविद्यालय ढाका ने किसी भी राष्ट्र के विकास में शिक्षा की भूमिका पर चर्चा की। विशेष वक्ता ऐईसी घाना के निदेशक डॉ. रिचर्ड एशुम ने कहा कि शिक्षकों को अपने विषय का गहरा ज्ञान होना चाहिए। इसके लिए उन्हें समय-समय पर प्रशिक्षण देना चाहिए। कार्यक्रम की आयोजक डॉ. सुमन दलाल ने बताया कि संगोष्ठी में 838 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना, ध्येय मंत्र तथा विश्वविद्यालय कुलगीत से की गई। इस अवसर पर विवि की कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक, डॉ. प्रिय ढींगरा, डॉ. रीना, डॉ. अन्नू और डॉ. सरला उपस्थित रहे।

कॉन्फ्रेंस

दो दिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में बोलीं पूर्व कुलपति विनय कपूर मेहरा

वैदिक शिक्षा की विशेषता थी गुरुकुल प्रणाली

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। राई स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की पूर्व कुलपति प्रो. विनय कपूर मेहरा ने कहा कि वैदिक शिक्षा प्रणाली की खास विशेषता गुरुकुल प्रणाली थी। सत्यनिष्ठा, संयम, व्यक्तिगत, शील, सफाई, शांत स्वभाव, उदारता आदि अच्छे चरित्र के गुण किसी भी पेशे के लिए बुनियादी आवश्यकता के रूप में प्राचीन ग्रंथों में निर्धारित किए गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में मौजूद अतिथि व प्रतिभागी। विज्ञप्ति

वह बीपीएस महिला विवि के शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान व भारतीय शिक्षण मंडल एवं ग्लोबल एजुकेशनल रिसर्च एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय 'शिक्षक शिक्षा का वैदिक युग से वर्ष 2020 तक का सफर' कांफ्रेंस के समापन पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रही थीं।

प्रो. विनय कपूर ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य उक्त गुणों का विकास करना था। शिक्षा के शुद्ध उच्चारण के ऊपर अत्यधिक बल दिया जाता था और श्लोकों एवं मंत्रों का शुद्ध उच्चारण केवल कुशल आचार्यों से ही सीखा जा सकता था।

अगर शिक्षक व्यवहारकुशल नहीं है तो भी उसका शिक्षण प्रभावोत्पादक नहीं हो सकता। बालकों को चरित्र की शिक्षा अप्रत्यक्ष रूप में शिक्षक के व्यवहार से ही मिलती है। उनके अलावा बतौर मुख्य वक्ता त्रिभुवन यूनिवर्सिटी काठमांडू के सेंट्रल विभाग ऑफ मैनेजमेंट के प्रो. राधेश्याम प्रधान ने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा, शिक्षा की एक शाखा है। जिसमें व्यवसाय उद्योग के कौशल और संचालन को पढ़ाना शामिल है। व्यावसायिक शिक्षा में कई घटक होते हैं, चूंकि समग्र रूप से व्यवसाय उद्योग के कई अलग-अलग क्षेत्र होते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि सभ्यता कुछ वर्षों के बाद बदलती है, जबकि संस्कृति चिरस्थायी है। संयोजिका डॉ. सरला के अनुसार कांफ्रेंस में 618 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान मेजबान विवि से डॉ. सुमन दलाल, डॉ. रीना रानी, डॉ. प्रिया धींगड़ा, डॉ. अनु बल्हारा ने प्रतिभागिता की।

कार्यशाला

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय मे रिसर्च मैथडोलाजी एवं डाटा एनालिसिस विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला शुरू

देश में सूचना और ज्ञान आधारित वातावरण बनें : प्रो. अनायत

जासं, गोहाना: बीपीएस महिला विश्वविद्यालय (विवि) में शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान और भारतीय शिक्षण मंडल के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को रिसर्च मैथडोलाजी एवं डाटा एनालिसिस विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र कुमार अनायत ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यशाला का शुभारंभ किया और उच्च शिक्षा में शोध की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

महिला विश्वविद्यालय मे आयोजित कार्यशाला मे भाग लेते प्राध्यापक ● सौ. विवि प्रवक्ता

प्रो. राजेंद्र कुमार अनायत ने कहा कि किसी भी देश का विकास वहां के लोगों के विकास के साथ जुड़ा होता है। इसके मद्देनजर यह जरूरी हो जाता है कि जीवन के हर पहलू में विज्ञान, तकनीक और शोध कार्य अहम भूमिका निभाएं। विकास के पथ पर कोई देश तभी आगे बढ़ सकता है जब उसकी आने वाली पीढ़ी के लिए सूचना और ज्ञान आधारित वातावरण बने। उच्च शिक्षा के स्तर पर शोध और अनुसंधान के पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हों।

आइआइटी मुम्बई के एसोसिएट प्रो. आशीष पांडेय ने कहा कि शोध केवल योग्यता अर्जित करने तक सीमित नहीं है। मानवता का विकास केवल शोध कार्य से ही संभव है। डा. सुमन दलाल ने कार्यशाला में आयोजित की जाने वाली गतिविधियों और विषयों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में विश्वविद्यालय की कुलसचिव डा. नीलम मलिक, प्रो. एसपी मल्होत्रा, डा. सरला रानी, डा. रीना रानी, डा. प्रिया धींगड़ा, डा. अनु बल्हारा, डा. मोनिका, डा. पूनम, डा. योगेश आदि मौजूद रहे।

शिक्षा ऐसी हो जिससे रोजगार के रास्ते खुलें : प्रो. शर्मा

जासं, गोहाना : बीपीएस महिला विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा पाठ्यक्रम विकास एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वर्चुअल कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य अतिथि ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कृष्ण भट्ट रहे। मुख्य वक्ता स्कूल आफ एजुकेशन इंदिरा गांधी नेशनल ओपन विश्वविद्यालय के प्रो. चंद्र भूषण शर्मा ने कहा कि भारतीय ज्ञान ही भारतीयों के लिए वरदान है। उन्होंने कहा कि शिक्षा में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। शिक्षा में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए जिससे रोजगार के रास्ते खुलें। हमारे वेदों उपनिषदों में वर्णित ज्ञान को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ढालना ही हमारे लिए कारगर उपाय है। भारतीय ज्ञान की उत्कृष्टता को विभिन्न आक्रमणों एवं राजनीतिक कुचक्रों के कारण खंडित करने का प्रयास किया गया था लेकिन अब वैश्विक स्तर पर हमारे योग, वेद, आयुर्वेद के सिद्धांतों को स्वीकार किया जा रहा है। भविष्य में यही साधन हमें दोबारा अपना वैभव और सम्मान वापस दिलाएंगे। मुख्य अतिथि प्रो. कृष्ण भट्ट राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थान राजनीतिक हस्तक्षेप से परे होने चाहिए। ग्रामीण संरचना भारतीय संस्कृति का मूल है इसलिए हमारे सभी पाठ्यक्रम ग्रामीण स्तर पर रोजगार उत्पन्न करने में सक्षम होने चाहिए। इससे ग्रामीण आबादी का शहरी पलायन रोका जा सकेगा। उन्होंने शैक्षणिक भ्रष्टाचार को खत्म करने और शैक्षणिक सुधारों को स्थापित करने पर बल दिया।

शिक्षा ही महिला सशक्तिकरण का मूल आधार

उत्थान के लिए शिक्षित बनें महिलाएं: चौबे

- बीपीएस महिला विवि में महिला सशक्तिकरण पर विस्तारक व्याख्यान आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

शिक्षा ही महिला सशक्तिकरण का मूल आधार है। शिक्षा ग्रहण करने से जागरूकता आती है। यह बात दिल्ली स्थित इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में एजुकेशन कालेज की पूर्व प्रिंसीपल गीता चौबे ने कही। वह बुधवार को गांव खानपुर कलां स्थित बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केंद्र में महिला सशक्तिकरण पर आयोजित विस्तारक व्याख्यान कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

गोहाना। पूर्व प्रिंसिपल गीता चौबे कार्यक्रम में छात्राओं को संबोधित करते हुए।

पूर्व प्रिंसीपल गीता चौबे ने कहा कि महिलाओं को अपने उत्थान के लिए शिक्षित बनाना बहुत ही जरूरी है। महिलाएं जितनी अधिक शिक्षित और जागरूक बनेंगी वे उतनी ही सशक्त और सबल बन सकेंगी। आज महिलाओं को अपनी शक्ति और प्रतिभा को दूसरों के समक्ष प्रस्तुत करने की जरूरत है। कार्यक्रम में दिल्ली स्थित आईआईपीए से प्रो. पीके चौबे ने कहा कि भारतीय समाज में महिलाओं को सम्मान देने के लिये मां, बहन, पुत्री, पत्नी के रूप में पूजने की परम्परा है लेकिन इसका ये मतलब नहीं कि केवल उनकी पूजने भर से देश के विकास की जरूरत पूरी हो जाएगी। आज जरूरत है कि महिलाओं का हर क्षेत्र में सशक्तिकरण किया जाए जो देश के विकास का आधार बनेंगी। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष डा. सुमन दलाल ने भी अपने विचार रखे।

3 दिन के कार्यक्रम में गूगल पर प्रश्नपत्र बनाने का दिया प्रशिक्षण

गोहाना, 28 नवम्बर (अरोड़ा): गांव खानपुर कलां स्थित बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केंद्र में मूक विषय पर आयोजित 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का बृहस्पतिवार को समापन हो गया।

इस कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों को डिजीटल टूल्स बारे विस्तृत जानकारी दी गई और गूगल पर प्रश्न पत्र बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की मुख्य वक्ता हिसार स्थित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास केंद्र से प्रो. डा. वंदना पूनिया थीं। पूनिया ने कार्यक्रम में प्रतिभागियों को मूक प्रोग्राम बनाने की विधि बताई और गूगल पर प्रश्न पत्र बनाना सिखाया। कार्यक्रम के समापन पर तकनीकी सत्र 2 की मुख्य वक्ता महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में शिक्षा विभाग की सहायक प्रवक्ता डा. माधुरी हुड्डा ने प्रतिभागियों को शिक्षा में तकनीकी दक्षता के साथ मूक प्रोग्राम में पंजीकरण बारे जानकारी दी। डा. सुमन दलाल ने कार्यक्रम में पहुंचे अतिथिगणों को सम्मानित किया। कार्यक्रम की संयोजिका अनु बल्हारा और सह संयोजक डा. सरला के अनुसार इस कार्यक्रम में 170 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम का मंच संचालन गोल्डी गुप्ता और मंजीत कुमारी ने किया।

3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी अतिथियों के साथ।

वीरवार   पंजाब केसरी   18 फरवरी 2021   (134)

'पीले परिधानों में सजने की प्रतियोगिता में निशा रही फर्स्ट'

गोहाना, 17 फरवरी (अरोड़ा): गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा बसंत पंचमी पर पीत परिधान और पीले व्यंजन तैयार करने सहित अन्य ऑनलाइन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में संस्थान के विभिन्न विभागों की छात्राओं ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कविता पाठ प्रतियोगिता की प्रभारी डा. अनीषा और सह-प्रभारी डा. इंदु रहीं। पीले व्यंजन तैयार करने की प्रतियोगिता की प्रभारी डा. सुमन और सह-प्रभारी कुमारी निधि तथा पीले परिधानों में सजने की प्रतियोगिता के प्रभारी मनोज कुमार और सह-प्रभारी कुमारी सुनीता रहीं। संयोजन डा. मोनिका का रहा। निर्णायक मंडल में डा. प्रिया, डा. सरला और डा. राज कुमारी शामिल रहीं।

पीत परिधान व खाना बनाने की प्रतियोगिताओं में भाग लेती छात्राएं। (अरोड़ा)

पीले परिधानों में सजने की प्रतियोगिता में बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्रा निशा ने पहला, डी.एड. प्रथम वर्ष की छात्रा बबीता शर्मा व रेवती यादव ने दूसरा तथा बी.एड. तृतीय समैस्टर की छात्रा छाया ने तीसरा स्थान पाया। एम.एड. प्रथम वर्ष की छात्रा रेणु व बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्रा पूजा को सांत्वना पुरस्कार मिला।

पीले व्यंजन तैयार करने की प्रतियोगिता में एम.ए. एजुकेशन प्रथम वर्ष से पूजा पहले, बी.एड. प्रथम वर्ष से रेवती यादव व एम.ए. एजुकेशन प्रथम वर्ष से बबीता दूसरे तथा बी.एड. प्रथम वर्ष से नेहा व बी.एड. थर्ड समैस्टर से सीमा गुप्ता तीसरे स्थान पर रही। कविता पाठ में बी.एड. तृतीय समैस्टर से अनीता ने पहला, डी.एड. प्रथम वर्ष से प्रीति चोपड़ा दूसरा व बी.एड. प्रथम वर्ष से पिंकी ने तीसरा स्थान पर पाया। विभागाध्यक्ष डा. सुमन दलाल ने छात्राओं के प्रदर्शन की सराहना की और छात्राओं के साथ अनुभव सांझे किए।

Sunday   15.9.21

हिंदी दिवस पर हिंदी पखवाड़े का समापन (15.09.2021)

गोहाना। उपमंडल क्षेत्र के शिक्षण संस्थानों में मंगलवार को हिंदी दिवस मनाया गया। बीपीएस महिला विवि की शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान की छात्राओं ने 14 दिवसीय हिंदी पखवाड़े का समापन किया। पर्यवेक्षक डॉ. इंदु के अनुसार पखवाड़े के तहत हिंदी विषय पर कविता पाठ, नारा लेखन, अंताक्षरी व व्याकरण आधारित प्रश्नोत्तरी, भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। शहर के जेएलएन किड्स स्कूल में हिंदी दिवस पर प्रतियोगिताएं करवाई गईं। संवाद

हरिभूमि

day

135

17 सितम्बर 202

विवि की छात्राओं ने स्नेह विशेष स्कूल का दौरा किया

गोहाना। महिला विवि की छात्राएं व शिक्षिकाएं स्नेह विशेष स्कूल में दिव्यांग बच्चों के साथ।

फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

■ छात्राओं ने स्कूल में पढ़ने वाले दिव्यांग बच्चों के साथ किए अपने अनुभव साझा

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के अनुसंधान प्रशिक्षण केंद्रकी छात्राओं ने बृहस्पतिवार को गोहाना में स्नेह विशेष स्कूल का दौरा किया। छात्राओं ने इस दौरान दिव्यांग बच्चों के साथ अनुभव सांझा किए और उनकी शिक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी हासिल की। डीईडी की छात्राएं सुपरवाइजर डॉ. अनीषा, शिक्षिका ज्योति और सुशीला के साथ स्नेह विशेष स्कूल में पहुंचीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेजबान स्नेह विशेष स्कूल की प्राचार्या अमनदीप कौर ने की। संयुक्त संयोजन को-ऑर्डिनेटर दिव्या, फिजियोलॉजिस्ट कम स्पेशल एजुकेटर रमेश कुमार और स्पेशल एजुकेटर कुसुम का रहा। इस दौरे में विवि की छात्राओं ने दिव्यांग बच्चों के साथ बातचीत करके अपने अनुभव सांझा किए। छात्राओं ने दिव्यांग बच्चों किसी प्रकार पढ़ाया जाता है इस विषय बारे भी जरूरी जानकारियां हासिल की। विशेष सहयोग पूनम और रेखा का रहा।

Friday

पंजाब केसरी

17 सितम्बर 2

डी.एड. की छात्राएं पहुंचीं दिव्यांग बच्चों का अध्ययन करने

आई.टी.टी.आर. की डी.एड. की छात्राएं दिव्यांग बच्चों के साथ। (अरोड़ा)

गोहाना, 16 सितम्बर (अरोड़ा): गुरुवार को गांव खानपुर कलां स्थित बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के शिक्षण प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आई.टी.टी.आर.) की डी.एड. की छात्राएं शहर में देवीलाल चौक में पहुंचीं। इन छात्राओं ने देवीलाल चौक स्थित स्नेह विशेष स्कूल के दिव्यांग बच्चों की दिनचर्या का अध्ययन किया तथा उनकी समस्याएं भी जानीं।

स्नेह विशेष स्कूल दिव्यांग बच्चों का स्पैशल स्कूल है। इस स्कूल का परिचालन दिव्यांग सेवा समिति द्वारा किया जाता है। आई.टी.टी.आर. की डी.एड. की छात्राएं अपनी शिक्षिका डा. मनीषा, ज्योतिका और सुशीला के साथ पहुंचीं। भावी शिक्षिकाओं ने दिव्यांग बच्चों और उनके स्पेशल शिक्षक-शिक्षिकाओं से उनकी दिनचर्या और समस्याओं बारे विस्तार से जाना।

दिव्यांग बच्चों के स्कूल में पहुंचने पर इस स्कूल की प्रिंसिपल अमनदीप कौर और साइकोलॉजिस्ट-कम-स्पैशल एजुकेटर रमेश कुमार ने डी.एड. की छात्राओं और उनकी शिक्षिकाओं को स्कूल का परिभ्रमण करवाया। संयोजन शिक्षिका पूनम और रेखा ने किया। डी.एड. की छात्राओं ने दिव्यांग बच्चों में स्टेशनरी भी वितरित की।